दो-दिवसीय राष्ट्रीय-बेवगोष्ठी

'पूर्वोत्तर भारत का लोक साहित्य एवं संस्कृति'

दिनांक: 15-16 जुलाई, 2020

आयोजक-

हिंदी विभाग

एवं

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

गवर्न्मेंट डिग्री कॉलेज, खुमूलोङ, त्रिपुरा

त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त

त्रिपुरा, भारत

मंच/स्थान: गूगल मीट (ऑनलाइन)

हिंदी विभाग एवं
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC), गवर्न्मेंट डिग्री कॉलेज, खुमूलोङ, त्रिपुरा
द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेब-गोष्ठी

'पूर्वोत्तर भारत का लोक साहित्य एवं संस्कृति'

तिथि- 15-16 जुलाई, 2020, समय- 02:00-05:00 बजे , स्थान- गूगल मीट (ऑनलाइन)

लोक साहित्य किसी भी देश के सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास का ऐसा मौखिक दस्तावेज होता है, जिसमें समस्त लोक-जीवन का सुख-दुःख, हर्ष-विषाद, आशा-निराशा आदि का प्रतिबिंबन देखा जा सकता है। लोक-साहित्य के मुख्यतः चार भेद कहे जाते हैं; लोक-गीत, लोक-गाथा, लोक-कथा और लोक-नाट्य, जिन्हें संरक्षित और संवर्धित करने में पुरुषों से अधिक महिलाओं ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लेकिन मुश्किल यह है कि हम सब अपनी मातृभाषाओं में मौजूद लोक-साहित्य के विविध रूपों से तो थोड़ा-बहुत परिचित होते हैं, पर इसके अलावा अन्य भाषाओं में मौजूद लोक-साहित्य एवं उसके रूपों से हमारा परिचय नहीं के बराबर होता है। पिछले कुछ समय, जब से लोक-साहित्य की महत्ता के प्रति जागरुकता बढ़ी है, व्यक्तिगत एवं सांस्थानिक दोनों स्तरों पर उसके संरक्षण और अभिलेखन के प्रयास शुरू हो गए हैं, परन्तु इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, दिल्ली, साहित्य अकादेमी, दिल्ली और केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा के कुछ प्रयासों के अलावा अन्य सभी संस्थाओं के प्रयास अपनी-अपनी भाषाओं के लोक-साहित्य तक ही सीमित प्रतीत होते हैं। जाहिर है, सम्पूर्ण भारतीय भाषाओं के लोक-साहित्य के मध्य परस्पर संवाद आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है ताकि भारतीय-साहित्य, विश्व-साहित्य एवं तुलनात्मक साहित्य जैसी अवधारणाओं के परिप्रेक्ष्य में न केवल लोक-साहित्य के संदर्भों को समझा जा सके वरन् देश के सभी छोटी-बड़ी भाषाओं में सदियों से उपलब्ध लोक-साहित्य में पारम्परिक, ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर एकता एवं विविधता के सूत्रों की पहचान हो सके।

इसके लिए पूर्वोत्तर की भाषाओं में उपलब्ध लोक-कथाओं और लोकगीतों को प्राथमिकता देकर संकलित करने की जरूरत है, ताकि उनका संरक्षण संभव हो सके। उक्त परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए गवर्न्मेंट डिग्री कॉलेज, खुमूलोङ, त्रिपुरा के हिंदी विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) द्वारा 'पूर्वोत्तर भारत का लोक साहित्य एवं संस्कृति' विषय पर आगामी 15-16 जुलाई, 2020 को एक राष्ट्रीय वेबगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। प्रस्तुत वेबगोष्ठी पूर्वोत्तर की भाषाओं में मौजूद लोक-कथाओं एवं लोकगीतों के संकलन, संरक्षण समेत उनसे संबंधित विभिन्न पक्षों की एक मंच पर चर्चा करा कर पूर्वोत्तर के साहित्य एवं संस्कृति के एक बड़े अभाव की पूर्ति में सहायक होगी।

संगोष्ठी के उद्देश्य:

1. इस संगोष्ठी के माध्यम से पूर्वोत्तर की भाषाओं में मौजूद लोक-साहित्य एवं संस्कृति का विश्लेषण किया जा सकेगा तथा इससे इस क्षेत्र की प्राचीन थाती को एक मंच पर समेटा जा सकेगा।
2. इस संगोष्ठी से यहाँ के प्राचीन साहित्य के प्रति स्थानीय निवासियों में न केवल चेतना का विकास होगा वरन् उसे सहेजने की दिशा में भी कदम उठाए जा सकेंगे।
3. इस संगोष्ठी में पत्र हिन्दी, अंग्रेजी, बांग्ला एवं कॉकबरक में प्रस्तुत किए जाएँगे, इससे पूर्वोत्तर के स्थानीय निवासियों में अपनी लोक-संपदा के बारे में चेतना जाग्रत होगी।

संगोष्ठी में विभिन्न सत्रों हेतु निर्धारित उप-विषय:

1. पूर्वोत्तर भारत में लोकगीत एवं लोक-गाथाएँ: परंपरा एवं प्रयोग
2. पूर्वोत्तर भारत में लोककथाएँ: परंपरा एवं प्रयोग
3. पूर्वोत्तर भारत में लोक-नाट्य: परंपरा एवं प्रयोग
4. 'पूर्वोत्तर भारत का लोक साहित्य: विविध विधाएँ
5. 'पूर्वोत्तर भारत का लोक साहित्य एवं संस्कृति: विमर्श

नोट (Note) : उपर्युक्त विषयों के अलावा पूर्वोत्तर की भाषाओं में लोक-साहित्य एवं संस्कृति से संबंधित अन्य मुद्दों पर भी आलेख का स्वागत है। विद्वानों से निवेदन किया जाता है कि आप दिनांक 12/07/2020 तक अधिकतम 200 शब्दों में अपने शोध-सारांश (Abstract) की सॉफ्ट कॉपी (MS Word एवं PDF दोनों प्रारूपों में) maharanihrangkhawl@gmail.com पर ईमेल द्वारा प्रेषित कर देवें। पूरा पेपर भेजने की अंतिम तारीख 30 अगस्त 2020 है। तकनीकी सीमाओं के चलते इस वेबगोष्ठी में चुनिंदा 10 लोगों को ही पत्र वाचन का अवसर दिया जाएगा। वेब-गोष्ठी में आए प्रपत्रों को पुस्तकाकार प्रकाशित करने की भी योजना है।

Registration Fee: Nil

आयोजन समिति-

संरक्षक-डॉ. नित्यानंद दास, प्रिंसिपल, गवर्न्मेंट डिग्री कॉलेज, खुमूलोङ, त्रिपुरा (प.)-799035

संयोजक-श्रीमती महारानी रंखल, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गवर्न्मेंट डिग्री कॉलेज, खुमूलोङ, त्रिपुरा

आयोजन सचिव-श्री डेनियल देबबर्मा, सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग एवं समन्वयक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC), गवर्न्मेंट डिग्री कॉलेज, खुमूलोङ, त्रिपुरा

सदस्य-

डॉ. अरुण कुमार मुखर्जी, सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी विभाग, गवर्न्मेंट डिग्री कॉलेज, खुमूलोङ, त्रिपुरा

श्री सुब्रत देबबर्मा, डीडीओ, गवर्न्मेंट डिग्री कॉलेज, खुमूलोङ, त्रिपुरा

श्री प्रसेनजित देबबर्मा, सहायक प्राध्यापक, नैक समन्वयक, गवर्न्मेंट डिग्री कॉलेज, खुमूलोङ, त्रिपुरा

डॉ. भुपेन्द्र देबबर्मा, सहायक प्राध्याक, दर्शन विभाग एवं यूजीसी समन्वयक, गवर्न्मेंट डिग्री कॉलेज, खुमूलोङ

श्री मनीष रुद्रपाल, सहायक प्राध्यापक एवं सचिव, अध्यापक परिषद, गवर्न्मेंट डिग्री कॉलेज, खुमूलोङ, त्रिपुरा

सुश्री शताब्दी चक्रवर्ती, अतिथि प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गवर्न्मेंट डिग्री कॉलेज, खुमूलोङ, त्रिपुरा

'पूर्वोत्तर भारत का लोक साहित्य एवं संस्कृति' विषय पर हिंदी विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC), गवर्न्मेंट डिग्री कॉलेज, खुमूलोङ, त्रिपुरा द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-गोष्ठी में आप सबका हार्दिक स्वागत है।

समय- 02:00-05:00 बजे

स्थान- गूगल मीट (ऑनलाइन)

वेबगोष्ठी का विवरण-

सत्र का नाम	दिनांक	समय	गूगल मीट लिंक (Link)
पंजीकरण (Registration)	05-10 जुलाई, 2020	सायँ 6:00 बजे तक	https://forms.gle/sNdz9bShG4dZPcZZA
उद्घाटन सत्र (Inaugural Session)	15/07/2020	02:00 बजे	https://meet.google.com/imz-hdcz-evo
प्रथम तकनीकी सत्र (Technical Session –I)		03:00 बजे	
द्वितीय तकनीकी सत्र (Technical Session-II)	16/07/2020	02:00 बजे	https://meet.google.com/nfb-fqjt-zet
समापन सत्र (Valedictory Session)		03:00 बजे	

सहायता के लिए

1. श्रीमती महारानी रंखल, संयोजिका-वेबगोष्ठी (09612488408/8974301697) एवं
2. श्री डेनियल देबबर्मा, आयोजन सचिव-बेवगोष्ठी (9436516757/7005242459) से संपर्क करें...

- ईमेल- maharanihrangkhawl@gmail.com

संभावित विद्वानों की सूची:

1. डॉ. किरन हजारिका, प्रिन्सिपल, टेंगाखट कॉलेज, दिब्रुगढ़, असम एवं सदस्य, यूजीसी, नई दिल्ली
2. प्रो. जय कौशल, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, असम विश्वविद्यालय, दीफ़ू परिसर, असम
3. डॉ. जोरम आनिया ताना, हिन्दी विभाग, डी. एन. कॉलेज, ईटानगर, अरुणाचल
4. डॉ फिल्मेका मारबानियांग, सहायक प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, सेंट एन्थोनी कॉलेज, मेघालय
5. डॉ. चुकी लेप्चा, हिन्दी ऑफिसर, सिक्किम सरकार, सिक्किम
6. डॉ. मिलन रानी जमातिया, सहायक प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा

Government Degree College, Khumulwng
Affiliated to Tripura University
WEST TRIPURA-799045
Email: khumulwngcolleg@gmail.com Website- www.khumulwngcollege.in